SHAH TIMES
10-8-2021

एफआरआई में खनन पुनर्वास पर दिया प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के महानिदेशक व निदेशक, एफआरआई अरुण सिंह रावत ने 'पर्यावरण प्रभाव आकलन और पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं के विशेष संदर्भ में वन और वन्यजीव संरक्षण' पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड रांची, झारखंड के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था।

रावत ने पिछली शताब्दी के दौरान खनन पुनर्वास के लिए आईसीएफआरई की ओर से की गई महत्वपूर्ण पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि आईसीएफआरई के अंतर्गत संस्थान

महानिदेशक, आईसीएफआरई अरूण रावत ने किया उद्घाटन

न केवल वन विभागों, बल्कि वन आधारित उद्योगों, खनन उद्योगों और रक्षा सहित अन्य सरकारी विभागों को भी अनुसंधान और तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वन अनुसंधान संस्थान ने देश के विभिन्न राज्यों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनरुद्धार के लिए उल्लेखनीय काम किया है। इसके अलावा वन अनुसंधान संस्थान के पास वानिकी से संबंधित विभिन्न विषयों के साथ-साथ पर्यावरण प्रभाव आकलन, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और खनन भूमि पुनरुद्धार जैसे विषयों में प्रशिक्षण आयोजित करने का लंबा अनुभव है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथि शेखर सरन, पूर्व-सीएमडी, सीएमपीडीआईएल ने कोयला खदान और भविष्य की संभावनाओं के बारे में अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया। भिजीत सिन्हा, महाप्रबंधक, सीएमपीडीआईएल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण को नियमित रूप से आयोजित करने से सीएमपीडीआईएल के अधिकारियों के कौशल को बढ़ाने, उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में सुधीर कुमार, डीडीजी विस्तार, एडीजी ईआईए, एडीजी, मीडिया एवं विस्तार, समूह समन्वयक अनुसंधान, सभी प्रभाग प्रमुखों के साथ-साथ वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारीगण उपस्थित थें। कार्यक्रम का समापन डॉ. तारा चंद के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

RASHTRIYA SAHARA
10-8-2021

पर्यावरण प्रभाव आकलन पर प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

देहरादून(एसएनबी)। वन अनुसंधान संस्थान में कोयला खनन पुनर्वास पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। चार दिवसीय कार्यशाला में पर्यावरण प्रभाव आकलन व पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं के विशेष संदर्भ में वन व वन्यजीव संरक्षण कर चर्चा की जाएगी। इसमें सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइज इंस्टीट्यूट रांची के अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। सोमवार को आईसीएफआरई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पिछले शताब्दी के दौरान खान पुनर्वास के लिए आईसीएफआरई द्वारा की गई पहलों पर प्रकाश डाला। बताया कि परिषद के अंतर्गत संस्थान न केवल वन विभागों बल्कि वन आधारित उद्योगों, खनन उद्योगों, रक्षा सहित अन्य सरकारी विभागों को भी अनुसंधान एवं तकनीकी सहायता प्रदान करता है। एफआरआई ने भी देश के विभिन्न राज्यों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनरुद्धार के लिए महत्वूपर्ण कार्य किया है। सीएमपीडीआईएल के पूर्व सीएमडी शेखर सरन ने कोयला खदान और भविष्य की संभावनाओं के बारे में अपने ज्ञान व अनुभव को साझा किया। महाप्रबंधन अभिजीत सिन्हा ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए।

THE PIONEER
10-8-2021

Training for coal mining rehabilitation starts at FRI

PNS ■ DEHRADUN

Director General of ICFRE and FRI director Arun Rawat inaugurated a four-day training programme on forest and wildlife conservation with special reference to Environmental Impact Assessment and environment management plans organised for the executives of Central Mine Planning and Design Institute Limited (CMPDIL), Ranchi, Jharkhand here on Monday.

Rawat highlighted important initiatives taken by the ICFRE for mine rehabilitation during the past century.

He said ICFRE institutes provide research and technical support not only to the forest departments, but also to the forest based industries, mining industries and other Government departments including defence. Forest Research Institute has successfully restored mined overburdens in different States of the country.

FRI has a long experience in conducting trainings in various forestry related subjects as well as subjects like EIA, environmental protection, biodiversity conservation, sustainable development and mined land restoration

In addition to this, FRI has a long experience in conducting trainings in various forestry related subjects as well as subjects like EIA, environmental protection, biodiversity conservation, sustainable development and mined land restoration.

In the recent past the institute has developed a training module for some of the subsidiaries of Coal India Limited and accordingly has imparted training to the personnel of Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, Northern Coalfields Limited, Singrauli, MP and Eastern Coalfields Limited, West Bengal.

Shekhar Saran, ex-CMD, CMPDIL shared his knowledge and experience of coal mines and future prospects. CMPDIL GM Abhijit Sinha remarked that such training should be organised regularly to enhance the skills of the CMPDIL executives for updates, enhanced productivity and sustainable mine management with special emphasis on environment management.

THE HAWK
10-8-2021

DG ICFRE Inaugurates Training On Coal Mining Rehabilitation At FRI

Dehradun (The Hawk): Shri Arun Singh Rawat, Director General, ICFRE and Director, FRI Dehradun inaugurated a four days training programme on 'Forest and wildlife conservation with special reference to Environment Impact Assessment & Environment Management Plans', organized for the executives of Central Mine Planning & Design Institute Limited (CMPDIL), Ranchi, Jharkhand under self financing scheme.

Sh. Rawat highlighted important initiatives taken by the ICFRE for mine rehabilitation during the past century. He also informed the ICFRE institutes provide research and technical support not only to the forest departments, but also to the forest based industries, mining industries and other government departments including defence. Forest Research Institute has successfully restored mined overburdens in different states of the country.

In addition to this, FRI has a long experience in conducting trainings in various forestry related

subjects as well as subjects like Environment Impact Assessment, environmental protection, biodiversity conservation, sustainable development and mined land restoration. In the recent past the institute has developed a training module for some of the subsidiaries of Coal India Ltd., and accordingly has imparted training to the personnel's of Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, Northern Coalfields Limited, Singrauli, M.P. and Eastern Coalfields Limited, West Bengal.

Shri Shekhar Saran, Ex-CMD, CMPDIL and Guest of Honour during ceremony, shared his knowledge and experience of coal mine and future prospects. Shri Abhijit Sinha GM CMPDIL, remarked that such training should be organized regularly to enhance the skills of the CMPDIL executives for updates, enhanced productivity and sustainable mine management with special emphasis on environment management.

Sh. Sudhir Kumar DDG Extension, ADG EIA, AGD Media & Extension, Group coordinator Research, HoDs of different divisions and scientist and staff of Forest Ecology and climate change Division were present in the inaugural session. The programme ended with the vote of thanks proposed by Dr. Tara Chand Course coordinator of the training course.

DAINIK JAGRAN

10-8-2021

जमीन सुधारीकरण के गुर सिखाएगा एफआरआइ

देहरादून: जिस भी भूमि पर खनन (माइनिंग) किया जाता है, वह भूमि बंजर से भी बदतर हो जाती है। ऐसी जमीन पर खेती करना तो दूर बिना उपचार के वनीकरण भी संभव नहीं हो पाता। लिहाजा, इस तरह की जमीन के सुधारीकरण के लिए वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) ने रांची के सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लि. (सीएमपीडीआइएल) के कार्मिकों व विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है।

सोमवार को चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) के निदेशक एएस रावत ने कहा कि परिषद अपने अधीन विभिन्न संस्थानों के माध्यम से खान पुनर्वास की दिशा में तमाम काम कर चुकी है। जहां भी खनन के चलते जमीन खराब हुई है, उसे पुराने स्वरूप में लौटाने की दिशा में परिषद पूरी मेहनत के साथ काम करती है।

एएस रावत ने कहा कि यह प्रशिक्षण भी इसी कड़ी का हिस्सा है। सेंट्रल माइन प्लानिंग इंस्टीट्यूट के कार्मिक प्रशिक्षण के बाद अपने स्तर पर खान क्षेत्रों में पर्यावरण प्रबंधन की दिशा में बेहतर काम कर पाएंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में माइन प्लानिंग इंस्टीट्यूट के पूर्व सीएमडी शेखर सरन, महाप्रबंधक अभिजीत सिन्हा, परिषद के उपमहानिदेशक (विस्तार) सुधीर कुमार आदि उपस्थित रहे। (जासं)

AMAR UJALA

10-8-2021

कोयला खनन पुनर्वास पर प्रशिक्षण शुरू

देहरादून। इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन (आईसीएफआरई) की ओर से वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में आयोजित चार दिवसीय कोयला खनन पुनर्वास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आईसीएफआरई के महानिदेशक और एफआरआई के निदेशक अरुण सिंह रावत ने किया।। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) रांची, झारखंड के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के विशेष अतिथि शेखर सरन ने कोयला खदान और भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया। इस दौरान अभिजीत सिन्हा, डॉ. तारा चंद मौजूद रहे। संवाद

UTTAR BHARAT LIVE
10-8-2021

महानिदेशक आईसीएफआरई ने किया एफआरआई में कोयला खनन पुनर्वास प्रशिक्षण का उद्घाटन

संवाददाता

देहरादून। आईसीएफआरई के महानिदेशक व निदेशक एफआरआई अरुण सिंह रावत ने एफआरआई में पर्यावरण प्रभाव आकलन और पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं के विशेष संदर्भ में वन और वन्यजीव संरक्षण पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिज़ाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड रांची, झारखंड के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था।

रावत ने पिछली शताब्दी के दौरान खान पुनर्वास के लिए आईसीएफआरई द्वारा की गई महत्वपूर्ण पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि आईसीएफआरई के अंतर्गत संस्थान न केवल वन विभागों, बल्कि वन आधारित उद्योगों, खनन उद्योगों और रक्षा सहित अन्य सरकारी विभागों को भी अनुसंधान और तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वन अनुसंधान संस्थान ने देश के विभिन्न राज्यों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनरुद्धार के लिए उल्लेखनी; काम किया है। इसके अतिरिक्त, वन अनुसंधान संस्थान के पास वानिकी से संबंधित विभिन्न विषयों के साथ-साथ पर्यावरण प्रभाव आकलन, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और खनन भूमि पुनरुद्धार जैसे विषयों में प्रशिक्षण आयोजित करने का लंबा अनुभव है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथि शेखर सरन, पूर्व-सीएमडी, सीएमपीडीआईएल ने कोयला खदान और भविष्य की संभावनाओं के बारे में अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया। श्री अभिजीत सिन्हा, महाप्रबंधक, सीएमपीडीआईएल ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण को नियमित रूप से आयोजित करने से सीएमपीडीआईएल के अधिकारियों के कौशल को बढ़ाने, उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में सुधीर कुमार, डीडीजी विस्तार, एडीजी ईआईए, एडीजी, मीडिया एवं विस्तार, समूह समन्वयक अनुसंधान, सभी प्रभाग प्रमुखों के साथ-साथ वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारीगण उपस्थित थें। कार्यक्रम का समापन डॉ. तारा चंद के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।